सुगन्ध

तुमने सुगन्ध मली चन्दन की गन्ध वाली,
उबटन मलके कचनार का सन्दल का।
ऊषा का वरण मला चन्दा का तरल मला,
स्वस्तिमाल अंगराग मला गंगाजल का।
केसरी बदन ने जो नदिया का जल छुआ,
इक पल में हो गया, गुलाबी रंग जल का।
फूलों जैसी रंगवाली हुई है तुम्हारी देह,
पैजनियां जो छनकी गुलाबी रंग छलका।